Department of Sanskrit

Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind

Event: Essay Writing Competition on the Occasion of

'International Language Day'

21st February, 2024

On 21st February, 2024 the Sanskrit Department of Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind organized an essay writing competition on the occasion of 'International Language Day'. This program was conducted by Dr. Neelam Rani, assistant professor of Sanskrit under the chairmanship of principal of the college Dr. Punam Mor. On this occasion, the Principal addressed the students and said that Sanskrit language is the mother of all languages. Dev-vani Sanskrit is the oldest language in the world. All the languages of the world have originated from the Sanskrit language. Sanskrit also has the feeling of world welfare, peace, cooperation and 'Vasudhaiva Kutumbakam'. Understanding the utility of Sanskrit, NASA is also using it and it is also being taught in schools and colleges abroad. Therefore, through this type of competition, we can tell the students about our mother tongue. Therefore, such programs should be organized from time to time. 25 students participated in this competition, in which Ms. Mamta, Ms. Komal and Ms. Paramjeet secured first, second and third positions respectively.

Glimpses and Media Coverage of the Event







पानीपत, गुरुवार, २२ फरवरी, २०२४

निबंध लेखन प्रतियोगिता में ममता ने पाया प्रथम स्थान



जींद हिंदू कन्या महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय भाषा दिवस के उपलक्ष्य में निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संस्कृत प्राध्यापिका डॉ. नीलम ने बताया कि प्रतियोगिता में 25 छात्राओं ने भाग लिया, जिसमें ममता, कोमल व परमजीत ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य डॉ. पूनम मोर ने कहा कि संस्कृत भाषा सभी भाषाओं की जननी है। देखवाणी संस्कृत विश्व की सबसे प्राचीन भाषा है। संस्कृत भाषा से ही विश्व की अन्य भाषाओं का उद्गम हुआ है। संस्कृत में विश्व का कल्याण, शांति, सहयोग एवं क्सुधैव कुटुंबकम की भावना भी है। संस्कृत की उपयोगिता समझकर नासा भी इसका उपयोग कर रहा है और विदेशों के स्कूल और कॉलेजों में भी इसका पढ़ाया जा रहा है। इस प्रकार प्रतियोगिता द्वारा हम अपनी मातृभाषा के विषय में छात्राओं को बता सकते हैं। इसलिए समय-समय पर ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन होते रहना चाहिए।

रोहतक, गुरुवार, 22 फरवरी 2024 haribhoomi.com



जींद । प्रतियोगिता में भाग लेते छात्राएं।

फोटो :हरिभूमि

निबंध लेखन प्रतियोगिता में ममता ने मारी बाजी

जींब। हिंदू कन्या महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय भाषा दिवस के अवसर पर निर्म्न प्रात्योगिता का आयोजन संस्कृत प्राध्यापिका डा. नीलम रानी के द्वारा महाविद्यालय प्राचार्या डा. पूनम मीर की अध्यक्षता में करवाया गया। इस अवसर पर प्राचार्य ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कृत भाषा सभी भाषाओं की जननी है। वेदनवाणी संस्कृत विश्व की सबसे प्राचीन भाषा है। संस्कृत भाषा से ही विश्व की रामी भाषाओं का उद्भम हुआ है। संस्कृत में विश्व का कल्याण, शांति, सहयोग एवं श्वसुधैव कुदुंबकमश की भावना भी है। संस्कृत की उपयोगिता समझ कर नासा भी इसका उपयोग कर रहा है और विदेशों के स्कूल, कॉलेजों में झक्त कर नासा भी इसका उपयोग कर रहा है और विदेशों के स्कूल, कॉलेजों में इसको प्रदाया जा रहा है। अतः इस प्रकार प्रतियोगिता के द्वारा हम अपनी मातुमाषा के विषय में छात्राओं को बता सकते हैं। इसलिए समय-समय पर ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन होते रहना चाहिए। प्रतियोगिता में 25 छात्राओं ने भाग लिया। जिसमें ममता, कोमल, परमजीत ने कमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया।